

मास्टर्स इन कौटिल्य राज्यशास्त्र और अर्थशास्त्र  
पेपर 02 - भारतीय राजकीय, आर्थिक और  
सामाजिक विचार

व्याख्यान 15 – 14.12.23



- Harshada Sawarkar  
[sawarkar.harshada123@gmail.com](mailto:sawarkar.harshada123@gmail.com)

## Questions – Answers in 1000 to 1200 words

1. Give an introduction to Indian political thought and discuss the concept of Indian Rajdharma.

(भारतीय राजनीतिक विचारसरणी का परिचय दीजिए और भारतीय राजधर्म की धारणा पर विवेचन कीजिए।)

2. Mention the sources of ancient Indian political thought and discuss their characteristics.

(प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्रोत बताईए और उनके विशेषताओं की चर्चा कीजिए।)



3. State the nature of the state system described in Manusmriti and comment on the political system, nature of diplomacy and political system according to work.

(मनुस्मृति में वर्णित राज्यतंत्र का स्वरूप बताईए तथा राजनीतिक व्यवस्था, राजनय का स्वरूप और कर्म के अनुसार राजनीतिक व्यवस्था पर भाष्य करें।)

4. Comment on the governance system of Ramayana period and comment on the personality and actions of the king in that system.

(रामायणकालीन शासनव्यवस्था पर भाष्य कीजिए तथा उस व्यवस्था में राजा का व्यक्तित्व और कर्तृत्व पर विस्तार से भाष्य करें।)



5. Discuss the social and political life of Vedic period and discuss about Sabha, Samiti, Vidatha and election process.

(वैदिक काल के सामाजिक और राजकीय जीवन की चर्चा करे और सभा, समिती, विदथ और चुनाव प्रक्रिया के बारे में विवेचन कीजिए।)

6. Describe the Shanti Parva of Mahabharata and discuss Rajadharma and Dandaniti.

(महाभारत के शांतिपर्व का वर्णन कीजिए तथा राजधर्म और दंडनीती पर विवेचन कीजिए।)



7. Discuss the political ideas mentioned in Matsya Purana and describe the process of selection of ideal state employees.

(मत्स्य पुराण में वर्णित राजनीतिक विचारों की चर्चा कीजिए और आदर्श राज्यकर्मचारीयोंके चुनाव प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।)

8. Give a detailed account of the political ideas in the classical literature.

(अभिजात साहित्य में राजनीतिक विचारों का विस्तृत ब्योवरा दीजिए।)

9. Describe the Political Thoughts as per Kanikaniti in Mahabharata.

(महाभारत के कणिकनीति में वर्णित राजनैतिक विचारों का वर्णन कीजिए।)

10. Thoughts on Polity from Nitivakyamritam. नीतिवाक्यामृतम् में वर्णित राजधर्मविषयक विचार.



11. Thoughts on Polity from Shishupalavadham शिशुपालवधम् महाकाव्य में वर्णित राजनैतिक विचार

12. Concept of Income and Expenditure in Ancient India. प्राचीन भारत में आय-व्यय विचार



## Questions - Short notes in 250 to 300 words.

1. History of Rajyasamstha in the context of Indian Political Thoughts  
भारतीय राजनैतिक विचारों के परिप्रेक्ष्य में राज्यसंस्था का इतिहास
2. Sabha and Samiti in Vedic Period वैदिक काल में सभा और समिति
3. Characteristics of Pandita as per Viduraniti विदुरनीति के अनुसार पण्डित के लक्षण
4. Characteristics of a Fool as per Viduraniti विदुरनीति के अनुसार मूर्ख के लक्षण
5. Importance of Intellect and Patience as per Viduraniti विदुरनीति के अनुसार बुद्धि और धैर्य का महत्त्व



6. 5 limbs of Mantrana मन्त्रणा के ५ अंग
7. Duties of a King as per Shantiparva शान्तिपर्व के अनुसार राजा के कर्तव्य
8. Importance of Durga as per Manusmriti मनुस्मृति के अनुसार दुर्ग का महत्त्व
9. Thoughts on War from Manusmriti मनुस्मृति में वर्णित युद्धविषयक विचार
10. Characteristics of Duta (Ambassador) described in ancient scriptures. प्राचीन ग्रन्थों में वर्णित दूत के विशेष

